ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–८४
दिनांक– शुक्रवार, ११ नवम्बर, २०२२

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय बेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 30.2 एवं 17.3 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 96 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 55 प्रतिशत, हवा की औसत गति 1.1 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण 2.1 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 3.8 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 29.2 एवं दोपहर में 21.8 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(12–16 नवम्बर, 2022)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 12–16 नवम्बर, 2022 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान प्रायः साफ तथा मौसम क शुष्क रहने का अनुमान है।
- इस दौरान अधिकतम तापमान 27 से 30 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान 14 से 16 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- औसतन 5 से 8 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से अगले 2–3 दिनों तक मधुबनी, सीतामढ़ी, शिवहर, पूर्वी तथा पश्चिमी चम्पारण में पुरवा हवा तथा अन्य जिलो में पछिया हवा चलने की संभावना है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 70 से 80 प्रतिशत तथा दोपहर में 40 से 50 प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- इस अवधि में मौसम साफ रहेगा अतः किसान भाई धान की कटनी तथा दौनी के कार्य को उच्च प्राथमिकता दे कर पूरा करने का प्रयास करें। विगत माह बोयी गई मटर, राजमा, लहसून एवं सब्जियों वाली फसलें– बैगन, टमाटर, मिर्च, पत्तागोभी एवं फूलगोभी में निकाई गुराई तथा आवष्यकतानुसार सिंचाई करें। सब्जियों में कीट–व्याधी की निगरानी करें। प्याज की श्वस्थ पौध के लिए पौधषाला से प्रत्येक 10 से 12 दिनों के अन्तराल में खरपतवार निकाल कर हल्की सिंचाई करें।
- रबी मक्का की बुआई करें। इसके लिए संकर किस्में शक्तिमान 1 सफेद, शक्तिमान 2 सफेद, शक्तिमान–3 पीला, शक्तिमान 4 पीला, शक्तिमान–5 पीला, गंगा 11 नारंगी पीला, राजेन्द्र संकर मक्का 1, राजेन्द्र संकर मक्का 2 एवं राजेन्द्र संकर मक्का दीप ज्वाला तथा संकुल किस्में– देवकी सफेद, लक्ष्मी सफेद एवं सुआन पीला इस क्षेत्र के लिए अनुसंषित है। खेत की जुताई में 100–150 क्विंटल कम्पोस्ट, 60 किलोग्रम नेत्रजन, 75 किलोग्रम फास्फोरस एवं 50 किलोग्रम पोटाष प्रति हेक्टर की दर से व्यवहार करें। बीज दर 20 किलोग्रम प्रति हेक्टेयर तथा दूरी 60X20 से0मी0 रखें।
- गेहुँ की बुआई के लिए तापमान तथा अन्य मौसमीय परिस्थितियाँ अनुकूल है। किसान भाई अब गेहुँ की बुआई शुरू कर सकते है। खेत की तैयारी के समय 150–200 क्विटल कम्पोस्ट, 60 किलोग्राम नेत्रजन, 60 किलोग्राम फॉसफोरस एवं 40 किलोग्राम पोटास प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। बुआई हेतु एच० डी० –2967, एच० डी० –2733, एच० डी० –2824, डी० डब्लू० 187, डी० डब्लू० 39, एच० यु० डब्लू० 468, सी० बी० डब्लू० 38 किस्में उत्तर बिहार के लिए अनुषंसित है। बीज को बुबाई से पहले 2.5 ग्राम बेबीस्टीन की दर से प्रति किलोग्राम बीज को उपचारित करें। छिटकबाँ विधि से बुआई के लिए प्रति हेक्टेयर 125 किलोग्राम तथा सीड ड्रील से पंक्ति में बुआई के लिए 100 किलोग्राम बीज का व्यवहार करें। बीज के अच्छे जमाव के लिए खेत में नमी का होना आवष्यक है।
- आलू की रोपाई करें। कुफरी चन्द्रमुखी, कुफरी अशोका, कुफरी बादशाह, कुफरी ज्योति, कुफरी सिंदुरी, कुफरी अरुण, राजेन्द्र आलू– 1, राजेन्द्र आलू– 2 तथा राजेन्द्र आलू–3 इस क्षेत्र के लिए अनुसंषित किस्में है। बीज दर 20–25 क्विंटल प्रति हेक्टेयर रखे। पंक्ति से पक्ति की दूरी 50–60 से0मी0 एवं बीज से बीज की दूरी 15–20 से0मी0 रखें। आलू को काट कर लगाने पर 2 से 3 स्वस्थ आँख वाले टुकडे को उपचारित कर 24 घंटे के अन्दर लगावे। बीज को एगलॉल या एमीसान के 0.5 प्रतिषत घोल या डाइथेन एम0 45 के 0.2 प्रतिषत घोल में 10 मिनट तक उपचारित कर छाया में सुखाकर रोपनी करे। समूचा आलू (20–40 ग्राम) लगाना श्रेष्ठकर है। खेत की जुताई में कम्पोस्ट 200–250 क्विटल, 75 किलोग्रम नेत्रजन, 90 किलोग्रम फास्फोरस एवं 100 किलोग्रम पोटाष प्रति हेक्टर की दर से प्रयोग करें।
- चना की बुआई के लिए मौसम अनुकूल हो रहा है । बुआई के समय 20 किलोग्राम नेत्रजन, 45 किलोग्राम फॉसफोरस, 20 किलोग्राम पोटास एवं 20 किलोग्राम सल्फर प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। चना के लिए उन्नत किस्म पूसा–256, के0पी0जी0–59(उदय) एवं पूसा 372 अनुषंसित हैं। बीज को बेबीस्टीन 2.5 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें। 24 घंटा बाद उपचारित बीज को कजरा पिल्लू से बचाव हेतु क्लोरपाईरीफॉस 8 मि0ली0 प्रति किलोग्राम की दर से मिलावें। पुनः 4 से 5 घंटे छाया में रखने के बाद राईजोबीयम कल्चर (पॉच पैकेट प्रति हेक्टेयर) से उपचारित कर बुआई करें।
- मसुर के मल्लिका(के0–75), अरुण (पी0एल0 77–12), बी0आर0–25 के0एल0एस0– 218, एच0यू0एल0–57, पी0एल0–5 एवं डब्लू0वी0एल0 77 किस्मो की बुआई करें। बुआई के समय खेत की जुताई में 20 किलोग्राम नेत्रजन, 45 किलोग्राम फॉसफोरस, 20 किलोग्राम पोटास एवं 20 किलोग्राम सल्फर का व्यवहार करें। बुआई के 2–3 दिन पूर्व कार्बेन्डाजीम फॅूदनाषक दवा का 1.0 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से शोधित करें। तत्पष्चात कीटनाषी दवा क्लोरपाईरीफॉस 20 ई.सी. का 8 मि.ली. प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें। बुआई के ठीक पहले उपचारित बीज को उचित राईजोबियम कल्चर (5 पैकेट प्रति हेक्टेयर) से उपचारित कर बुआई करें।
- मटर की बुआई करें। इसके लिए काशी, नंदिनी, अर्ली दिसंबर, जी सी 35, जवाहर मटर–3, जवाहर मटर–3 किस्में अनुसंषित है। बीज दर 75–80 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तथा लगाने की दूरी 30X10 से0मी0 रखें। बीज को उचित राइजोबियम कल्वर (5 पैकेट प्रति हेक्टेयर) से उपचारित कर बुआई करे। पशुओं

आज का अधिकतम तापमानः 29.8 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.5 डिग्री सेल्सियस अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः 17.0 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 1.2 डिग्री सेल्सियस अधिक

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी (कृषि मौसम)

(डॉ0 ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी (कृषि मौसम)